1. **भारत के कई जनजातीय समुदायों में किसका अपना संस्करण पाया जाता है?**
   A. वेद और उपनिषद
   B. रामायण और महाभारत
   C. जातक कथाएँ
   D. पुराण (B)

व्याख्या : स्लाइड में बताया गया है कि अनेक जनजातीय समुदायों के पास रामायण और महाभारत के अपने-अपने संस्करण हैं।

2. **जनजातीय संस्करण मुख्य रूप से किस रूप में संरक्षित रहे हैं?**
   A. लिखित ग्रंथों में
   B. मंदिरों में
   C. मौखिक परंपरा और किंवदंतियों में
   D. पाषाण लेखों में (C)

व्याख्या : ये संस्करण मौखिक परंपरा के द्वारा और इनके साथ जुड़ी किंवदंतियों के माध्यम से प्रसारित हुए हैं।

3. **किन क्षेत्रों की जनजातियों में दोनों महाकाव्यों के अपने संस्करण मिलते हैं?**
   A. केवल दक्षिण भारत
   B. केवल राजस्थान
   C. पूर्वोत्तर और हिमालयी क्षेत्र
   D. गुजरात और महाराष्ट्र (C)

व्याख्या : पूर्वोत्तर भारत और हिमालयी क्षेत्रों (कश्मीर सहित) की अनेक जनजातियों के पास महाकाव्यों के अपने संस्करण हैं।

4. **किस जनजातीय समूह का उल्लेख उदाहरण के रूप में किया गया है?**
   A. संथाल
   B. भील, गोंड और मुण्डा
   C. नागा
   D. मीणा (B)

व्याख्या : स्लाइड में भील, गोंड और मुण्डा समुदायों का उल्लेख महाकाव्यों के जनजातीय संस्करणों के उदाहरण के रूप में किया गया है।

5. **किंवदंतियों के अनुसार भारत में किसने लगभग पूरे देश की यात्रा की है?**
   A. राजा अशोक B. रावण
   C. पांडव D. बुद्ध (C)

व्याख्या : के. एस. सिंह के अनुसार लोककथाओं में कहा गया है कि भारत में शायद ही कोई स्थान हो जहाँ पांडव न गए हों।

6. **जनजातीय महाकाव्य संस्करण किस बात को दर्शाते हैं?**
   A. जनजातियों का अलगाव
   B. प्रकृति पूजा का अंत
   C. दो महाकाव्यों की व्यापक सांस्कृतिक पहुँच
   D. महाकाव्य अब अप्रासंगिक हैं (C)

व्याख्या : यह दर्शाता है कि महाकाव्यों ने सदियों से भारत और एशिया के अनेक हिस्सों में सांस्कृतिक ताने-बाने को प्रभावित किया है।

7. **भारतीय संस्कृति विविधता को किस रूप में देखती है?**
   A. कमजोरी
   B. विभाजन
   C. समृद्धि
   D. बाधा (C)

व्याख्या : प्रस्तुति में कहा गया है कि भारतीय संस्कृति विविधता को समृद्धि के रूप में मनाती है।

8. **भारतीय संस्कृति विविधता के भीतर किस चीज़ को बनाए रखती है?**
   A. सामाजिक भेदभाव
   B. कठोर नियम
   C. अंतर्निहित एकता
   D. राजनीतिक नियंत्रण (C)

व्याख्या : भारतीय संस्कृति विविधता को पोषित करने वाली अंतर्निहित एकता को बनाए रखती है।

9. **"हे ईश्वर! मेरी यह प्रार्थना स्वीकार करें कि मैं अनेकता में एकता का आनंद कभी न गंवाँ सकूँ"—यह कथन किसका है?**
   A. महात्मा गांधी
   B. के. एस. सिंह
   C. रवीन्द्रनाथ टैगोर
   D. दयानंद सरस्वती (C)

व्याख्या : यह प्रसिद्ध पंक्ति रवीन्द्रनाथ टैगोर की है।

10. **"एक में अनेक का भाव भारत को उसकी स्वाभाविक नींव पर स्थापित करेगा"—यह कथन किसका है?**
    A. महात्मा गांधी
    B. श्री अरविंदो
    C. सुभाष चंद्र बोस
    D. जवाहरलाल नेहरू (B)

व्याख्या : यह विचार श्री अरविंदो द्वारा व्यक्त किया गया है।

मिशन ज्ञान जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसा चाहें! 100% FREE! Video Courses | Quiz | PDF | Test Series Download Mission Gyan App